वनवासी कल्याण केन्द्र, झारखंड द्वारा प्रकाशित

श्रद्धा

त्रैमासिक पत्रिका

वर्ष : 23 ◆◆◆ जुलाई – सितम्बर : 2024 ◆◆◆ अंक : 43

जीवन में गहरी सन्तुष्टता की अनुभूति दूसरों की निस्वार्थ सेवा से होती है।
आज से हम दूसरों की निःस्वार्थ सेवा कर संतुष्ट रहें...
Deepest satisfaction in life comes from selfless service of others!
TODAY ONWARDS LET'S become satisfied by doing selfless service of others.

वनवासी कल्याण केन्द्र के नवनिर्मित कार्यालय भवन का उद्घाटन

रांची : 23 जून को वृन्दावन कॉलोनी, चिरौंदी, राँची स्थित वनवासी कल्याण केन्द्र के प्रदेश कार्यालय सह बहुउद्देशीय नवनिर्मित भवन का उद्घाटन चिन्मय मिशन आश्रम, राँची के पूज्य स्वामी परिपूर्णानंद सरस्वती जी के कर कमलों द्वारा नाम पट्टिका का अनावरण कर किया गया.

इस अवसर पर मंचीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह माननीय आलोक कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि रामायण और महाभारत दोनों कालों में वनों का वर्णन है. भगवान राम एवं पाण्डव भी वनों में रहे. वन का अर्थ यह नहीं कि जहां अशिक्षित, अनपढ़ एवं गरीब लोग रहते हैं. हमारे यहां तीन संस्कृतियां थी वन पर आधारित, गांव पर आधारित एवं नगरीय संस्कृति. प्रत्येक काल में वनों में भी बड़े-बड़े राज्य स्थापित थे. पहले सभी आश्रम, गुरूकुल वनों और जनजाति समाज के बीच में ही हुआ करते थे. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन में जनजाति समाज के सेनानियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और वीरगति को प्राप्त हुए. हमारे पूर्वजों ने वनों से जो धन वैभव प्राप्त किया उसका कर्ज आज हम सभी जनजाति समाज की सेवा करके उतार रहे हैं. पूरे विश्व में भारत को छोड़कर जनजाति समाज की आबादी नहीं बढ़ी है. कई देशों में जनजाति समाज विलुप्त होने की कगार पर है. जनजाति समाज के गौरव का प्रतीक बनके आज इस भवन का उद्घाटन जिस उदेश्य से हुआ है वह उदेश्य पूर्ण करना हम सभी का कर्तव्य बनता है.

स्वामी परिपूर्णानंद सरस्वती

वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान सत्येन्द्र सिंह ने कहा कि विपरित परिस्थितियों में बालासाहब देशपांडे जी द्वारा स्थापित वनवासी कल्याण आश्रम आज देश के सभी राज्यों में समिति या अपने प्रकल्पों के माध्यम से जनजाति समाज के बीच सेवारत है. वनवासी कल्याण केन्द्र द्वारा भी झारखण्ड में जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास के लिए व्यापक रूप से सेवा प्रकल्प संचालित हो रहे हैं. प्रकल्पों के सुचारू संचालन के लिए राजधानी राँची में इस बहुप्रतिक्षित भवन का उपयोग प्रांतीय प्रशासनिक कार्यालय के अलावा ग्राम विकास प्रशिक्षण, जनजाति हितरक्षा हेतु कार्यशालाओं का आयोजन, युवा एवं महिला सशक्तिकरण हेतु प्रशिक्षण, डॉक्यूमेंटेशन सेन्टर और अन्य प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षणार्थी आवास के लिए किया जायेगा.

स्वामी परिपूर्णानंद जी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि भारत के इतिहास में सामाजिक व्यवस्था को देखते हुए ऐसा लगता है कि कहीं न कहीं हमारे पूर्वजों से गलती हुई है जिसके कारण आज हमारा जनजाति समाज भ्रमित है. आज के युग में वर्ग विहीन समाज संभव नही है लेकिन वेदों के अनुसार हम सभी एक ही माता की संतान हैं. माता के हर वर्ग को पुष्ट करना हमारा कर्तव्य बनता है. वनवासी कल्याण केन्द्र के सेवा कार्यों के माध्यम से ये संभव दिखाई देता है.

भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रांत अध्यक्ष डॉ. सुखी उराँव, धन्यवाद ज्ञापन राँची महानगर अध्यक्ष श्री सज्जन सर्राफ और मंच का संचालन कैप्टन देवाशीष मिश्रा ने किया. भवन निर्माण में अपना योगदान और आर्थिक सहयोग देनेवाले सहयोगियों को अंग वस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया.

विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्योगपति एवं समाजसेवी- कार्तिकेय ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज, हैदराबाद के श्री महेश बल्दवा, जमशेदपुर के श्री रमेश अग्रवाल, श्री आर.के. अग्रवाल, सूरत से श्रीमती देवकन्या कोठारी जी की गरिमामयी उपस्थिति रही.

कार्यक्रम में मार्गदर्शक मा. सोमायाजुलु जी, मा. कृपा प्रसाद सिंह जी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री मा. अतुल जोग जी, सह संगठन मंत्री मा. भगवान सहाय जी, श्री ब्रह्माजी राव, श्रीमती सरोज गुटगुटिया, श्रीमती सुमन सुहासरिया, श्री कैलाशचन्द्र सुहासरिया, श्री प्रदीप कुमार, श्री सुदन मुण्डा, श्रीमती संगीता पचीसिया, श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, श्री विवेक भसीन, श्री शिवेन्दु लाल माणिक, श्री पवन मंत्री, श्री रिझु कच्छप, श्री बिनित लाल, श्री किशोर मंत्री, डॉ. विजय राज, श्री विनय मोदी, श्री सोमा उरांव, श्री नकुल तिर्की, श्री दीपक अडेसरा, श्री मेघा उरांव, श्री रामकुमार पाहन, श्री समीर उरांव, श्री ललन कुमार, श्री डी.के. ईश्वर, श्री महेश प्र. सिंह, श्री विजय कु. अग्रवाल, श्री संतु भाई माणिक, श्री मनोज जैन, श्री आर. प्रसाद, श्री राजेन्द्र झुनझुनवाला, श्री रामनाथ सिंह, श्रीमती कल्पना गोयल, श्री रामस्वरूप ओझा, श्रीमती वीणा उरांव, डॉ. रामसेवक प्रसाद, श्री अश्विनी मिश्रा, श्री शत्रुधनलाल गुप्ता, श्री सुरेश चौधरी, श्री प्रेम साहु, श्रीमती नौरी पुर्ति, श्री दीपेन्द्र भट्ट, श्री अनिल अग्रवाल, श्री नवल साबु, श्रीमती प्रतिभा गोयल, डॉ. ज्योत्स्ना सिंह, श्रीमती लीना कपूर, श्रीमती ममता सिन्हा, डॉ. सतीश मिढा, डॉ. उमेश प्र. जायसवाल, श्री बैद्यनाथ झा, श्री मनोज सेठी एवं अन्य गणमान्य बन्धु उपस्थित रहे.

सरहुल मिलन समारोह

सरहुल धरती और सूर्य के विवाह का पर्व है - श्रीमती निशा उरांव

रांची : 14 अप्रैल को आरोग्य भवन, बरियातु में सरहुल मिलन कार्यक्रम संपन्न हुआ. रांची महानगर अध्यक्ष श्री सज्जन सर्राफ ने प्रस्तावना में वनवासी कल्याण केन्द्र के द्वारा जनजाति हित में किये जा रहे सेवा कार्यों की विस्तार से जानकारी दी.

विशिष्ट अतिथि सांसद श्री संजय सेठ ने कहा कि आज अगर पर्यावरण सुरक्षित है तो वह जनजाति समाज के प्रयासों से ही है. जनजाति समाज के द्वारा हीं पर्यावरण संतुलन बना हुआ है. सरहुल पर हम सभी को पर्यावरण की सुरक्षा का संकल्प लेना जरूरी है. पहले रांची के हर मोहल्ले में तालाब होते थे, अब ज्यादातर तालाब भर चुके हैं. बगीचे कट चुके हैं. इसका पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है. इसलिए जब सरहुल का उत्सव मनायें, तो पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प भी लें.

डॉ. एच.पी. नारायण ने कहा कि जनजाति समाज जल, जंगल और जमीन का जो नारा आज लगाते हैं, वह प्राचीन वैदिक मंत्रों का आधुनिक संस्करण है. रवींद्रनाथ ठाकुर कहा करते थे कि विश्व की सारी व्यवस्थाओं का लालन-पालन नगरों में हुआ, सिर्फ भारतीय सभ्यता वनों में पली और बढ़ी. पेशा कानून झारखण्ड में अभी तक लागु नहीं हुआ है और लागु नहीं होने से जनजातियों की रीति-रिवाज-परम्परा संरक्षित नहीं हो पा रही है. इसीलिए आप सभी जागिये और अपना हक मांगिये.

मुख्य वक्ता पंचायती राज विभाग की निदेशक श्रीमती निशा उरांव ने कहा कि धरती ही परिवार है, सभी जनजाति प्रकृति को पूजते हैं. सरहुल धरती और सूर्य के विवाह का पर्व है. इसी से सृष्टि है. आदिवासी समुदाय कामना करता है कि सभी जीव जंतुओं को खाना मिले और सभी शांति के साथ रहें. भारतीय संस्कृति और सरहुल दोनों ही प्रकृति से जुड़े हैं. भारतीय संस्कृति में बरगद, तुलसी, पीपल को पूजते हैं. भारतीय सभ्यता ने हीं पर्यावरण के साथ-साथ परम्परा को भी संरक्षित रखा है.

कार्यक्रम के बीच-बीच में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ डॉ. बुटन महली एवं श्री लक्ष्मीकांत बड़ाईक ने सरहुल गीत गाकर लोगों का मन मोह लिया. सरहुल महोत्सव कार्यक्रम को श्री देवव्रत पाहन, बी. आई.टी. के डॉ. प्रदीप मुण्डा एवं साईनाथ यूनिवर्सिटी के कुलपति

डॉ. एस.पी. अग्रवाल ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम में कई मौजा के पाहनो एवं समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का संचालन श्री संदीप उरांव और श्री प्रदीप लकड़ा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन जनजाति सुरक्षा मंच के प्रमुख पाहन श्री विमल पाहन ने दिया.

इस अवसर पर सर्व श्री मेघा उरांव, सोमा उरांव, हिन्दुवा उरांव, सन्नी उरांव, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, सुदन मुंडा, हीरेन्द्र सिन्हा, नरेश पाहन, पिंकी खोया, प्रभुनाथ सिंह, देवनन्दन सिंह, संगीता पचिसिया,

सुशील अग्रवाल, रामकुमार पाहन, सुलेखा कुमारी, प्रतिभा गोयल, ममता गुप्ता, बीरेन्द्र सिंह, तुलसी गुप्ता, कैलाश पिंगुआ व अन्य लोग उपिस्थत थे.

लातेहार : 11 अप्रैल को लातेहार जिलान्तर्गत महुआडांड में भी सरहुल महोत्सव धूमधाम और हर्सोल्लास के साथ मनाया गया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री भीखा उरांव थे. सरहुल महोत्सव कार्यक्रम मे हजारों की संख्या में ग्रामीणों के साथ मुख्य रूप से सर्वश्री दिलीप बड़ाईक, बुधनाथ सिंह, अजय कुमार उरांव, छत्रपति बड़ाईक, बलदेव नागेश्वर, बालेश्वर बडाईक, रामकुमार सिंह, पुरूषोत्तम नाथ देव, संजय कुमार सिंह आदि उपस्थिति थे.

माँ चिंतपूर्णी स्टील प्रा. लिमिटेड के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

रामगढ : 28 अप्रैल को वनवासी कल्याण केंद्र, रामगढ़ नगर समिति द्वारा रांची महानगर समिति के सहयोग से 303 वाँ निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन हजारीबाग जिले के चूरचू प्रखंड के जनजातीय बहुल सुदूरवर्ती ग्राम हेंदेगढ़ा के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में आयोजित किया गया. इस निशुल्क चिकित्सा शिविर को माँ चिंतपूर्णी स्टील प्राइवेट लिमिटेड, रामगढ़ द्वारा प्रायोजित किया गया था. शिविर स्थल तक जाने आने के लिए डी ए वी विद्यालय प्रबंधन द्वारा बस की सुविधा प्रदान की गई. शिविर का उदघाटन संयुक्त रूप से रामगढ़, हजारीबाग और रांची नगर समितियों के प्रबुद्ध सदस्यों द्वारा किया गया.

चिकित्सा शिविर में नर सेवा नारायण सेवा के भाव से डा. उमेश प्रसाद जायसवाल, डा. सी.एस.पी.वैश्य, डा. प्रकाश भगत, डा. विनोद कुमार, डा. अर्पणा शरण, डा. राम सेवक प्रसाद (चरही) ने अपनी सेवा देकर 400 मरीजों को चिकित्सकीय सलाह दी. चिकित्सकीय सलाह पर मरीजों को निशुल्क दवाइयां भी दी गई. यहां भगवान महावीर आई हॉस्पिटल (मेडिका), रांची के द्वारा उनके तकनीकी रूप से सुसज्जित मेडिकल वैन में आंख के मरीजों की जांच की गई. स्क्रीनिंग के पश्चात गंभीर आंख के मरीजों को निशुल्क ईलाज के लिए भगवान महावीर आई हॉस्पिटल (मेडिका), रांची रेफर किया गया.

शिविर के सफलता और व्यवस्थित संचालन के लिए रांची महानगर समिति से श्री निरंजन सर्राफ, श्री सुरेश चौधरी, श्री बेनी प्रसाद अग्रवाल, श्री घनश्याम शर्मा, श्री ईन्द्र जुलका, श्री रमेश अग्रवाल, श्री कैलाश चंद्र अग्रवाल, श्री विकास अग्रवाल, श्री राजेश कुमार, श्री हिन्दुआ उरांव, श्रीमती बसंती मंडल, रितू अग्रवाल, सुश्री संगीता कुमारी, हजारीबाग से श्री कैलाश पति सहाय, श्री रामस्वरूप ओझा, श्री राजकुमार शर्मा, श्री चन्दप्रकाश मेहता, श्री वीणा मुण्डा और रामगढ़ से श्री विजय अग्रवाल, श्री अंजय कुमार अग्रवाल, श्री नरेश अग्रवाल, श्री संजय शर्मा, श्री मुरारी अग्रवाल, श्री मनीष अग्रवाल, श्री संजीव बरेलिया, श्री संतु भाई माणिक की उपस्थिति रही.

धरती आबा बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु में मरीजों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान की गई

खूंटी : 16 जून को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खूंटी जिलान्तर्गत अड़की प्रखण्ड के बिरसा सरस्वती शिशु मंदिर, उलिहातु में रांची महानगर समिति द्वारा 304 वां निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर बिरसा मुंडा के शहादत दिवस 9 जून को याद करते हुए उनको नमन किया गया. बिरसा मुंडा के पोते श्री सुखराम मुंडा ने शिविर स्थल पर रहकर सभी का आभार प्रकट किया और सभी नगरवासियों से आत्मीयता से मिले. इस चिकित्सा शिविर के लिए आर्थिक सहयोग श्री कमल सेठ, श्रीमती रीना सेठ एवं परिवार के सदस्यों द्वारा उनकी पूज्य माताजी स्व. संतोष सेठ जी की स्मृति मे प्रदान किया गया. श्री विकास अग्रवाल के द्वारा विद्यालय के लिए पांच सिलींग पंखे प्रदान किये गये. उपस्थित 50 वृद्ध महिलाओं को साड़ी और 20 बुजुर्ग पुरूषों को धोती भी दिया गया.

शिविर के उदघाटन अवसर पर रांची महानगर अध्यक्ष श्री सज्जन सर्राफ ने कहा कि वनवासी कल्याण केन्द्र 1969 से वनवासी समाज के बीच उनके सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से कार्य कर रहा है. चिकित्सा क्षेत्र में वनवासी क्षेत्रों के जनजातीय बंधुओं के स्वास्थ्य लाभ हेतु चिकित्सकीय सेवाएं निःशुल्क चिकित्सा शिविर के माध्यम से दी जाती है. संस्था के

राँची महानगर समिति द्वारा गत् 29 वर्षों से प्रत्येक माह निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जा रहा है. इसी क्रम में ये 304वाँ निःशुल्क चिकित्सा शिविर आज वनवासी कल्याण केन्द्र की संबद्ध इकाई श्रीहरि वनवासी विकास समिति द्वारा संचालित विद्यालय में आयोजित किया गया है.

इस अवसर पर डॉ. बिरसा उराँव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता के अभाव में लोग अपने स्वास्थ्य का ध्यान नही रख पाते हैं और ना नियमित इलाज करा पाते हैं, जिसका दुष्परिणाम काफी घातक हो जाता है. कोई अस्वस्थ या बीमार न रहे, इसके लिए वनवासी कल्याण केन्द्र दूर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में निशुल्क चिकित्सा शिविरों के माध्यम से ग्रामीण मरीजों को स्वास्थ्य लाभ के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी कर रहा है.

शिविर का आयोजन नगर के वरिष्ठ चिकित्सकों, गणमान्य बन्धुओं एवं स्थानीय कार्यकर्ताओं के सहयोग से किया गया. जिसमे नर सेवा नारायण सेवा के भाव से अपना बहुमूल्य समय निकालकर डा. उमेश प्रसाद जायसवाल, डा. प्रकाश भगत, डा. ज्योत्सना सिन्हा, डा. उषा पाण्डे, डॉ. सुचित कुमार ने अपनी सेवा देकर 250 मरीजों का उपचार किया. चिकित्सकीय परामर्श के उपरांत मरीजों को निशुल्क दवा का वितरण किया गया. एस.जी.भी.एस (आँख अस्पताल) अनिगड़ा, खूंटी के डॉ. निर्मल सिंह एवं सहयोगियों का भी योगदान रहा. इस पुनीत कार्य में श्री बेनी प्रसाद अग्रवाल, श्री कैलाश चंद्र अग्रवाल, श्री विकास अग्रवाल, श्रीमती वीणा कपूर, श्रीमती संगीता दत्ता, श्रीमती सरोज गुप्ता, श्री ईन्द्र जुलका, श्री जयप्रकाश भगत, श्री रामचन्द्र शर्मा, श्री पुरूषोत्तम लोहिया ने अपनी सहभागिता प्रदान की. विद्यालय निरीक्षक श्री जगमोहन बड़ाईक ने रांची महानगर समिति का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया.

बिरसा नेत्रालय, लोहरदगा : बिरसा नेत्रालय में अप्रैल 2024 से 15 जून 2024 तक 974 लोगों के नेत्रों की जांच की गई. जांचोपरांत सभी मोतियाबिंद मरीजों को ऑपरेशन के लिए कहा गया जिसकी तिथि बाद में बताने के लिए कहा गया.

औपचारिक विद्यालय के प्रधानाचार्यों का प्रांतीय अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ

प्रधानाचार्य समाज के अंतिम पायदान तक शिक्षा, सेवा, संस्कार, स्वावलम्बन का कार्य करते हैं - मा0 कृपा प्रसाद सिंह

गुमला/नवडीहा : वनवासी कल्याण केंद्र, झारखंड की संबद्ध शैक्षिक इकाई श्रीहरि वनवासी विकास समिति के तत्वावधान में सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर, नवडीहा में 27 मई से 2 जून तक प्रांतीय प्रधानाचार्य सह प्रभारी प्रधानाचार्य अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया. जिसके उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय सत्येंद्र सिंह, प्रांत अध्यक्ष डॉ सुखी उरांव, मार्गदर्शक अखिल भारतीय ग्राम विकास एवं संरक्षक श्रीहरि वनवासी विकास समिति माननीय कृपा प्रसाद सिंह, अ. भा. सह शिक्षा प्रमुख श्रीमान ब्रजमोहन मंडल, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री विनोद उपाध्याय, श्री शिवेंद्र लाल माणिक, श्री सुभाष चंद्र दुबे, डॉ तनुजा मुण्डा, श्रीमती संगीता मित्तल, श्री श्याम बिहारी शुक्ला, श्री अखिलेश्वर साहु, श्री संजय सिंह उपस्थित रहे.

मा0 कृपा प्रसाद सिंह ने उदघाटन संबोधन मे कहा कि प्रधानाचार्य विद्यालय के विकास की धुरी होते हैं. प्रधानाचार्य संगठन के ऐसे कार्यकर्ता हैं जो समाज के अंतिम पायदान तक शिक्षा, सेवा, संस्कार, स्वावलम्बन का कार्य करते हैं.

डॉ. सुखी उराँव ने प्रधानाचार्यों को दायित्व बोध कराते हुए कहा कि सीमित संसाधनों में भी प्रधानाचार्य समाज को शिक्षा एवं सेवा देने का कार्य कर रहे हैं यह प्रशंसनीय है.

मुख्य अतिथि माननीय सत्येंद्र सिंह ने औपचारिक विद्यालयों के कार्य एवं उद्देश्य विषय पर विचार रखते हुए कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर संघ विचार धारा पर आधारित शिक्षा देता है. संगठन के द्वारा विकट परिस्थितियों में जनजातीय क्षेत्रों में समाज को विकास की ओर अग्रसर करने एवं शिक्षा के माध्यम से जागृति लाने की दृष्टि से सरस्वती शिशु मन्दिरों की स्थापना की गई. इन विद्यालयों में भारतीय संस्कृति तथा राष्ट्रभक्ति पर आधारित संस्कार युक्त शिक्षा देने का कार्य किया जा रहा है. प्रधानाचार्य समाज के एक प्रमुख व्यक्ति होते हैं, उन्हे समाज को संगठित और समन्वय स्थापित करते हुए काम करना चाहिए.

उद्घाटन सत्र के पश्चात डॉ. तनुजा मुण्डा ने प्रधानाचार्यों के कार्य एवं दायित्व, श्री विनोद उपाध्याय ने टीम वर्क एवं प्रधानाचार्य का प्रशासन, श्री ब्रजमोहन मण्डल ने विद्यालय सामाजिक चेतना का केंद्र कैसे बने विषय पर सत्र का संचालन किया. इस अभ्यास वर्ग में विद्यालय सामाजिक चेतना का केन्द्र कैसे बने, प्रधानाचार्यों के कार्यों का वर्गीकरण-मूल्यांकन, शैक्षिक वातावरण एवं उसके तत्व, वनवासी शिक्षा व एकल विद्यालय विकास की भूमिका, कार्यालय लेखा, कार्यकर्ता का गुण एवं व्यवहार, विद्यालय सफलता के मापदण्ड, राष्ट्रीय शिक्षा नीति व क्रियान्वयन, त्रिवर्षीय कार्य योजना, 2027 की कार्य योजना, प्रधानाचार्य का समिति प्रांत एवं अभिभावकों से संबंध, हिन्दी शिक्षण एवं पत्राचार, हेल्थ एजुकेशन, दस्तावेजीकरण, उत्सव, संचालन, मानवीय भौतिक संसाधन, अभिभावक संपर्क, व्यायाम, योग, खेल, गटशः चर्चा, वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्न मंच प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया.

2 जून को प्रशिक्षण वर्ग के समापन कार्यक्रम में अतिथि के रुप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय संघचालक एवं संरक्षक श्रीमान देवव्रत पाहन, कोषाध्यक्ष श्री पवन मंत्री, श्री अजय नन्दन, श्री अनिरुद्ध साहु, श्री श्याम बिहारी शुक्ला, श्री अखिलेश्वर साहु उपस्थित रहे.

इस अवसर पर श्री पवन मंत्री ने कहा कि मानव सदा अपूर्ण होता है, प्रशिक्षणों से उसे पूर्ण करने का प्रयास किया जाता है. श्री अजय नन्दन ने सरस्वती शिशु मंदिर के संस्कार एवं अनुशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि आचार्य राष्ट्र निर्माता होते हैं. मा. देवव्रत पाहन ने कहा कि कार्यकर्ताओं के विकास एवं उनकी क्षमता वृद्धि हेतु इस प्रकार के वर्गों का आयोजन किया जाता है. हम सबको संगठित होकर शिक्षा क्षेत्र में कार्य करते हुए भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए.

समापन सत्र में सुलेख प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी श्री सुधीर सिंह (गारु), श्री अशोक कुमार (तपकरा) एवं श्री शिवचरण महतो (बड़पोस) को पुरस्कृत किया गया. श्री श्याम बिहारी शुक्ला के धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात शुभकामना मंत्र से वर्ग सम्पन्न हुआ.

एकल विद्यालय के आचार्यों को संस्कारयुक्त शिक्षा देने के लिए प्रशिक्षित किया गया

लोहरदगा : गुमला विभाग के एकल विद्यालयों के आचार्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग 26 मई से 29 मई रात्रि तक संपन्न हुआ. प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री सत्येन्द्र सिंह, क्षेत्र संगठन मंत्री श्री विनोद उपाध्याय, लोहरदगा जिला अध्यक्ष श्रीमती कलावती देवी ने दीप प्रज्वलित करके किया.

श्री सत्येन्द्र सिंह ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को संगठन की स्थापना, संगठन के कार्य एवं उद्देश्य के बारे मे विस्तार पूर्वक बताया साथ ही संगठन द्वारा संचालित 14 आयामो के महत्व एवं गांव में कैसे शिक्षा के प्रसार से समाज में जागरूकता लाना है इसकी भी जानकारी दी. श्रीमती कलावती देवी ने कहा कि शिक्षा से ही व्यक्ति एवं गांव का विकास होगा. आचार्यों की जिम्मेवारी है की गांव के सभी बच्चों को शिक्षित करें और अभिभावकों को भी इसके लिए प्रेरित करें.

प्रशिक्षण वर्ग में 52 एकल विद्यालय के आचार्यों को संस्कारयुक्त शिक्षा देने के लिए प्रशिक्षित किया गया.

धनबाद : 10 से 13 जून तक **गिरि वनवासी कल्याण परिषद, संताल परगना** द्वारा संचालित शिक्षा आयाम के अन्तर्गत एकल विद्यालय के आचार्यों का प्रशिक्षण सरस्वती शिशु मंदिर, रतनपुर, टुण्डी में सम्पन्न हुआ. प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन धनबाद नगर समिति के अध्यक्ष श्री मनोज जैन, संरक्षक श्री जयप्रकाश देवरालिया, क्षेत्र संगठन मंत्री श्री विनोद उपाध्याय द्वारा किया गया.

श्री विनोद उपाध्याय ने प्रशिक्षण में उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को कल्याण आश्रम की स्थापना, लक्ष्य एवं उद्देश्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी. श्री जयप्रकाश देवरालिया ने कहा कि एकल विद्यालय के माध्यम से समाज में शिक्षा और अपने धर्म-संस्कृति के प्रति जागरूकता आई है. प्रांत संगठन मंत्री श्री कैलाश उरांव, विभाग संगठन मंत्री श्री मदन महतो एवं प्रांत शिक्षा प्रमुख श्री रमेश मण्डल ने भी विभिन्न सत्रों को संबोधित किया.

इस प्रशिक्षण वर्ग में तोपचांची संच से 8, रतनपुर संच से 13, सोहनाद संच से 10, टुण्डी संच से 15 कुल 46 आचार्य उपस्थित रहे. **देवघर विभाग** का **घोरमारा स्थित बांझी केन्द्र** में एकल विद्यालय के आचार्यों का प्रशिक्षण हुआ. जिसमें 31 आचार्य उपस्थित रहें.

जनजाति सुरक्षा मंच ने बिरसा मुंडा के 124वें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की

रांची : 9 जून को नगड़ी प्रखंड के दलादली पुराना बाजारटांड़ मे जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वाधान में भगवान बिरसा मुंडा जी के 124वें शहादत दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की गई. कार्यक्रम की शुरुआत पाहन श्री शिवनाथ मुंडा के नेतृत्व मे परंपरागत पूजा पाठ के साथ की गई. स्वागत भाषण में श्री साजन मुंडा ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा आदिवासियों को अपने धर्म एवं संस्कृति से जुड़े रहने के लिए कहते थे और साथ हीं मिशनरियों के कुचक्र से बचने की सलाह भी देते थे. वो स्वतंत्रता सेनानी के साथ धार्मिक नेता और लोक नायक थे जिन्होने ब्रिटिश राज के खिलाफ एक व्यापक जन आंदोलन खड़ा किया था.

इस अवसर पर मुख्य अतिथि वनवासी कल्याण केन्द्र के प्रांत संगठन मंत्री श्री देवनंदन सिंह ने कहा कि जिस प्रकार भगवान बिरसा मुंडा जी ने जल, जंगल, जमीन, धर्मांतरण और जमींदारी के खिलाफ लड़ाई लड़कर धर्म-संस्कृति, अस्मिता और जनजाति पहचान को बचाए रखा उसी प्रकार हमे भी उनका अनुसरण करते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलकर जनजाति पहचान को बचाए

रखने की जरूरत है. जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा चलाये जा रहे डीलिस्टिंग अभियान को सफल बनाकर इसे लागू करवाने की आवश्यकता है.

कार्यक्रम में सर्वश्री विनोद मुंडा, विकास उरांव, बन्धना मुंडा, जनजाति सुरक्षा मंच के प्रदेश मीडिया प्रभारी सोमा उरांव, सजंय मुंडा, संध्या मुंडा, सुमन देवी और अन्य ग्रामीण बंधु उपस्थित थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता जनजाति सुरक्षा मंच के प्रदेश सहसंयोजक हिंदुवा उरांव और मंच संचालन प्रदेश युवा संयोजक सन्नी उराव ने किया.

मेधावी छात्र प्रतियोगिता परीक्षा

मेधावी छात्र प्रतियोगिता परीक्षा **नवडीहा, बसिया, निश्चिंतपुर, धालभूमगढ़** एवं **सिल्ली** कुल 05 केन्द्रों पर 07 अप्रैल को सम्पन्न हुई. इस प्रतियोगिता में 34 विद्यालयों के कक्षा पंचम (शिशु मंदिर) से 93 एवं कक्षा अष्टम (विद्या मंदिर) से 64 कुल 157 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया. सभी केन्द्रों पर यह परीक्षा शांतिपूर्ण व अनुशासित तरीके से सम्पन्न हुई. परीक्षा में सफल प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को मेधावी छात्र सम्मान समारोह के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा. परीक्षा को सफल बनाने में सभी केन्द्रो के प्रधानाचार्यों एवं संगठन के कार्यकर्ताओं का सहयोग प्राप्त हुआ.

नवीन कार्यकर्ताओं के लिए परिचय वर्ग का आयोजन

राँची : 11 जून से 15 जून तक वनवासी कल्याण केन्द्र द्वारा आयोजित रांची विभाग स्तरीय कार्यकर्ता परिचय वर्ग आरोग्य भवन, बरियातु रोड, राँची में सम्पन्न हुआ. परिचय वर्ग का उदघाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान सत्येन्द्र सिंह, कार्यकारिणी सदस्य सह रांची जिला संरक्षक श्री जादो उराँव, रांची जिला अध्यक्ष श्री नकुल तिर्की, प्रदेश मंत्री श्री बिनित लाल, संगठन मंत्री श्री देवनन्दन सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया.

इस अवसर पर श्री सत्येन्द्र सिंह ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए वनवासी कल्याण आश्रम के स्थापना एवं संगठन के क्रमिक विकास की पूरी जानकारी दी और कहा कि कल्याण आश्रम का कार्य नियमित रूप से संचालित हो इसके लिए संगठन में हमेशा नये कार्यकर्ताओं के आने से संगठन जीवंत रहता है.

इस वर्ग में राँची विभाग के रामगढ़, रांची, बोकारो, खूंटी जिला के 22 महिला- पुरूष कार्यकर्ताओं ने उपस्थित रहकर वनवासी कल्याण केन्द्र के कार्य, संगठन की स्थापना, संगठन के कार्य एवं उद्देश्य, संगठन द्वारा संचालित 14 आयामो के सेवा कार्यों के महत्व, पूज्य बालासाहब देशपांडे जी का जीवन चरित्र, भौगोलिक स्थिति, जनजाति समाज की समस्या, धर्मांतरण और जनजातियों की धर्म-संस्कृति पर हमला आदि पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की और चर्चा में भाग लिया.

परिचय वर्ग के विभिन्न सत्रों में अखिल भारतीय हितरक्षा प्रमुख श्रीमान गिरिश कुबेर, डॉ. राजकिशोर हांसदा, क्षेत्र महिला प्रमुख सुश्री सुलेखा कुमारी, क्षेत्र नगर प्रमुख श्री हीरेन्द्र सिन्हा, क्षेत्र संगठन मंत्री श्री विनोद उपाध्याय, प्रांत संगठन मंत्री श्री देवनन्दन सिंह, सह संगठन मंत्री श्री सुशील मराण्डी और श्री बिरेन्द्र सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ. **इसी तरह 27 मई से 01 जून तक सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, हजारीबाग में भी परिचय वर्ग आयोजित किया गया था. इस वर्ग में 42 कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।**

खेतों के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य को लेकर भूमि सुपोषण कार्यक्रम

रांची : दिनांक 9 अप्रैल को वनवासी कल्याण केन्द्र के तत्वावधान में राँची जिला के ओरमांझी प्रखण्ड स्थित दड़दाग ग्राम में भूमि सुपोषण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ. इस कार्यक्रम में गांव के पाहन द्वारा धरती माता एवं ग्राम देवी-देवताओं का आह्वान करते हुए विधिवत् पुजा-अर्चना किया गया.

अखिल भारतीय ग्राम विकास प्रमुख श्री बिन्देश्वर साहु ने कार्यक्रम में उपस्थित किसान एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को अपने उद्बोधन में कहा कि भूमि हमारी माता है और हम सभी इनके पुत्र हैं. यह भावनात्मक उद्गार हमारे ऋषियों के मुख से निकले हैं. कहने का तात्पर्य है कि यदि हम भूमि को माता मानते हैं तो पुत्र होने के नाते हमारा कर्तव्य है कि उसे प्रदुषित होने से बचायें एवं उसका सुपोषण करें. भूमि से ही हमारी आजीविका चलती है. रासायनिक खाद और दवाईयों के छिड़काव से हमे बचना चाहिये, भूमि को सुपोषित करने का संकल्प करें. तत्पश्चात सैकड़ों किसानों ने अपने हाथ में जल लेकर भविष्य में अपने खेतों में रासायनिक खाद और कीटनाशक दवाओं का प्रयोग कम से कम करने, प्राकृतिक तरीकों व संसाधनों से तैयार खाद एवं नीम, गो-मूत्र आदि से तैयार कीटनाशक का उपयोग, गांव के आस-पास की जमीन पर वृक्षारोपण, बहते जल का उचित प्रबन्धन कर खेत का जल खेत में ही रहे ऐसा उपाय करने का संकल्प लिया.

इस कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में किसानो के साथ स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं. धन्यवाद ज्ञापन चकला पंचायत के मुखिया श्री शिवनाथ गुण्डा ने किया.

गुमला : 04 अप्रैल को गुमला जिला अंतर्गत रायडीह प्रखंड के कोण्डरा पंचायत, ग्राम राझावन एवं कोब्जा पंचायत के रमजा गांव में वनवासी कल्याण केन्द्र द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं ग्रामीणों के साथ मिलकर भूमि संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से भूमि सुपोषण कार्यक्रम आयोजित किया गया.

जिसमें गांव के बैगा पुजार के द्वारा विधिवत धरती माता एवं ग्राम देवी देवताओं को आह्वान करते हुए अपने खेतों में रासायनिक खाद का उपयोग नहीं करने के साथ जैविक और प्राकृतिक कृषि की ओर ध्यान देने का संकल्प लिया गया. धरती माता को बंजर होने से रोकने और खेतों की उर्वरता पर ध्यान देने के लिए जागरूकता अभियान चला कर किसानों को प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया.

कार्यक्रम में गुमला जिला अध्यक्ष श्री बिसू सोरेंग, राझावन के पुजारी श्री देवनारायण सिंह, रमजा गांव के पुजारी श्री विजय बैगा, मंडल प्रमुख श्रीमती जितपति देवी, श्रीमती इन्द्रा देवी, मंडल प्रमुख श्री जयसिंह मुंडा, श्री खेदू नायक, श्री गणेश सिंह सहित ग्रामीण महिला-पुरूष उपस्थित थे.

पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया गया

बोकारो : 05 जून को चंदनकियारी प्रखंड के अंतर्गत मोदीडीह गांव में पर्यावरण दिवस मनाया गया. इस अवसर पर श्री ललन कुमार के सौजन्य से प्राप्त पौधारूपी वृक्षों का वृक्षारोपण किया गया और पौधों का वितरण भी किया गया.

श्री ललन कुमार ने वृक्षों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानव जीवन के साथ पृथ्वी के सभी जीव-जंतुओं के लिए पेड़ पौधे कितना महत्वपूर्ण है. हमे वनों को संरक्षित रखने के साथ अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिये साथ ही लोगों को इसके लिए जागरूक और प्रेरित भी करना चाहिए.

श्री रत्नेश्वर प्रसाद ने उपस्थित लोगो को गांव में समरसता बनाए रखने के साथ पेड़ पौधों के उचित देखभाल के लिए आग्रह किया. श्री विमल चंद्रा ने वनवासी कल्याण केन्द्र द्वारा जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास के लिए किये जा रहे सेवा कार्यों शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और पर्यावरण के बारे में जानकारी दी.

कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला संगठन मंत्री श्री आलोक माजी, मंडल प्रमुख श्रीमती अन्नपूर्णा पांडे, श्री कान्हु उरांव, श्री राजेश उरांव, श्री संतोष उरांव आदि का योगदान रहा.

पलामू : 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर चैनपुर प्रखंड के दुलसुलमा और रामगढ़ प्रखंड के मायापुर एकल विद्यालय की आचार्या सीमा कुमारी और विनीता देवी के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया. विश्व पर्यावरण दिवस के महत्ता पर आचार्या सीमा कुमारी ने कहा कि अपने धर्म-संस्कृति के संरक्षण के साथ प्रकृति को भी सुरक्षित और संरक्षित रखने के लिए पौधारोपण करना जरूरी है. उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस 2024 का थीम हमारी भूमि, हमारा भविष्य है. जल-पेड़-पौधों के बिना धरती पर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है. पर्यावरण सुरक्षित नहीं होगा तो हमारी सुरक्षा पर भी प्रश्न चिन्ह लग जाएगा. जिस हवा में हम सांस ले रहे हैं, जो पानी पी रहे हैं, जिन चीजों का उपभोग कर रहे हैं सभी पर्यावरण के अंतर्गत आती हैं. ऐसे में पर्यावरण संरक्षण का महत्व बढ़ जाता है. पर्यावरण के इसी महत्व को उजागर करने, पर्यावरण सरंक्षण के लिए जरूरी कदम उठाने और लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के लिए ही हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है. उन्होंने कहा कि पौधा लगाना जितना जरूरी है उससे ज्यादा उसे सुरक्षित रखना जरूरी है. इस अवसर पर एकल विद्यालय के बच्चों के अलावा अभिभावक और ग्रामीण भी उपस्थित थे.

चतरा : 05 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर सिमरिया प्रखंड अंतर्गत चलकी गांव में अखिल भारतीय ग्राम विकास प्रमुख श्री बिंदेश्वर साहु ने अपने उदबोधन में कहा कि एक पेड़ 10 पुत्र के समान है. आज हम सभी साथ मिलकर शपथ लें कि पेड़ कटने नहीं देंगे, पेड़ की सुरक्षा करेंगे. उपस्थित सभी किसानों को पौधा दिया गया और वृक्षा रोपण भी किया गया.

भंसाली ट्रस्ट से प्राप्त सब्जी बीजों का वितरण किया गया

पलामू : 16 जून को जिला कार्यालय अघोर आश्रम रोड, बैंक कॉलोनी में एकल विद्यालय के आचार्य और स्वयं सहायता समूह के मंडल प्रमुखों की बैठक हुई. बैठक मे भंसाली ट्रस्ट, मुंबई से प्राप्त बीजों को अपने क्षेत्र के किसानों के बीच वितरण करने के लिए आचार्यों और मंडल प्रमुखों को कद्दू, नेनुआ, झिंगी, टमाटर, भिंडी, करेला, सिम इत्यादि के बीज दिये गये.

बैठक की अध्यक्षता जिला सचिव श्री अश्विनी मिश्रा व संचालन श्रद्धाजागरण प्रमुख श्री रामजी उरांव ने किया. जिला सचिव ने कहा कि वनवासी कल्याण केंद्र अपने प्रकल्पों के माध्यम से जनजाति समाज के बीच सामाजिक व आर्थिक विकास की दिशा

में काम कर रहा है. आज जनजातीय समाज अपने धर्म और संस्कृति के प्रति सचेत हैं, इसी का परिणाम है कि पलामू के जिन प्रखंडों में वनवासी कल्याण केंद्र का कार्य चल रहा है वहां परिवर्तन देखने को मिल रहा है.

मेदिनीनगर अध्यक्ष श्री मदन मोहन पांडेय ने बताया कि स्वयं सहायता समुहों के माध्यम से जनजाति समाज को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है. संस्था द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों से काफी संख्या में वनवासी क्षेत्र की महिलाएं जुड़ रही हैं.

बैठक में एकल विद्यालय के आचार्यों के प्रशिक्षण, सावन माह में जलाभिषेक, प्रकल्पों के संचालन, नियमित बैठकों आदि की रूपरेखा तैयार की गई. इस अवसर पर संच प्रमुख सर्वश्री दशरथ सिंह, चिकित्सा प्रमुख राजेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह, बेचन सिंह, जिला प्रमुख श्रीमती सुशीला देवी, श्रीमती रेखा देवी, श्रीमती विनीता देवी उपस्थित थे.

पुरखों के रीति-रिवाज व विरासत को बचाये रखें नहीं तो मिट जायेगी पहचान - श्री गणेश राम भगत

जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा धर्मांतरित लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं देने की मांग

रांची/अनगड़ा : रांची जिला ग्राम प्रधान संघ के तत्वावधान में रविवार को बीसा पंचायत में जनजाति सुरक्षा मंच की एक डीलिस्टिंग सभा आयोजित हुई. जिसकी अगुवाई ग्राम प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष उमेश बड़ाईक ने की. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक श्री गणेश राम भगत के अलावा जिला संयोजक सर्वश्री जगरनाथ भगत, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, जैलेन्द्र कुमार, डॉ. अमर कुमार चौधरी, देवनाथ महतो, अजय कुमार महतो, सुषमा बड़ाईक, प्रणय कुमार आदि उपस्थित हुए. इस अवसर पर श्री गणेशराम भगत ने कहा कि जो व्यक्ति इसाई या इस्लाम में परिवर्तित हो जाता है और उस धर्म के अनुसार अपना जीवन व्यतीत करता है, उस व्यक्ति को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में बने रहने का कोई अधिकार नहीं हैं. उन्होनें कहा कि जनजाति सुरक्षा मंच लोगों की भावनाओं को जगाने का काम कर रहा है. आदिकाल में पुरखों से जो रीति- रिवाज और बिरासत मिली है उसे बचाए रखना है. वर्ना उनकी धर्म संस्कृति और पहचान मिट जाएगी. उन्होंनें डीलिस्टिंग कानून को लागू कराने की मांग को लेकर दिल्ली चलो का आह्वान किया. कहा कि यह बिल पास हो जाने के बाद धर्मांतरित ईसाईयों और मुसलमानों को जनजाति आरक्षण का लाभ मिलना बंद हो जाएगा. उन्होंने आदिवासियों को सनातन हिन्दू धर्म-संस्कृति का एक अंग बताते हुए लाल-सफेद झंडा का त्याग कर अपने घरों में हनुमान जी के झंडे के साथ सफेद झंडा लगाने का आह्वान किया.

वहीं, अन्य वक्ताओं नें भी अपने विचार रखे. अध्यक्षता और संचालन ग्राम प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष उमेश बड़ाईक और स्वागत सुषमा बड़ाईक ने किया. सभा में सर्वश्री गिरधर मिश्रा, अमित मिश्रा, जगदीश बड़ाईक, उपानंद बड़ाईक, सेवाराम महतो, विनय बड़ाईक, कृष्णा बड़ाईक, कपिल बड़ाईक, छत्रपति बेदिया, मानेश्वर मुण्डा, रंथु भोगता, महेश बेदिया, जयराम बेदिया, सोमरा उरांव, बाबुलाल बड़ाईक, एतवा बेदिया, बनु बेदिया आदि मौजूद थे.

डॉ. मुकुन्द कर्मलकर द्वारा अनामिका प्रकल्प के अन्तर्गत एनीमिया जांच

लातेहार : जिलान्तर्गत वनवासी कल्याण केन्द्र द्वारा संचालित गारु केन्द्र के चिकित्सा केन्द्र में एनीमिया यानि रक्त अल्पता की जांच हैदराबाद के डॉ. मुकुन्द कर्मलकर द्वारा की गई. ये जांच वनवासी कल्याण केन्द्र के अनामिका योजना के अन्तर्गत की जा रही है.

अभी तक लगभग 500 एनीमिया के रोगियों को जांच कर उन्हें निःशुल्क दवा और पोषाहार दिया जा रहा है जो एक वर्ष या इनके स्वस्थ होने तक दिया जायेगा. गारु क्षेत्र में ऐसे रोगियों की जांच के लिए 15 अनामिका मित्र बनाये गये हैं जिन्हें डॉ. मुकुन्द कर्मलकर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है.

हूल दिवस

30 जून 1855 को अंग्रेजी हुकूमत के बढ़ते शोषण और उत्पीड़न के विरुद्ध सिद्धों, कान्हू, चांद, भैरो, फूलो, झानो के नेतृत्व में संथाल परगना के भोगनाडीह गांव से एक संगठित विद्रोह का शंखनाद हुआ था. संथाल विद्रोह में एकजुटता के साथ अंग्रेजी शासन के दमनकारी नीतियों के खिलाफ एक स्वर में किए गए विरोध तथा इस महान संग्राम के तपिश और आक्रोश को हूल कहा गया. सिद्धों, कान्हू, चांद, भैरो, फूलो, झानों और इस विद्रोह में शहीद हुए साहसिक बलिदानियों को झारखंड वासियों द्वारा स्मरण करते हुए हर वर्ष 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है.

बोकारो : जिला के ग्राम गुरुडीह में हूल दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय ग्राम विकास प्रमुख श्री राघव राणा ने प्रकाश डाला. हूल दिवस कार्यक्रम में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आम, नींबू, पपीता, अमरूद एवं केले के पौधे लगाकर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ भी किया गया. इस अवसर पर ग्रामीणों के बीच वितरण के लिए भंसाली ट्रस्ट द्वारा प्राप्त सब्जी बीजों को कार्यकर्ताओं को दिया गया. श्री सौरभ कुमार (नाबार्ड) के द्वारा मछली पालन, पौधारोपण एवं स्वरोजगार से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई. स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को बीज उपचार, जैविक खाद का उत्पादन एवं जैविक खेती करने के लिए प्रेरित किया गया.

संपादक : सुनील कुमार सिंह, मो.: 9431382445, प्रकाशक : प्रचार-प्रसार विभाग, वनवासी कल्याण केन्द्र, 32, आरोग्य भवन-1, बरियातु रोड, राँची-834009
दूरभाष : 0651-2540594 | Email :vanvasi@hotmail.com | Web : vanvasikalyankendra.org